



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग 1—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकारी से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 247]

नई दिल्ली, मंगलवार, 14, 2003 / आश्विन 22, 1925

No. 247]

NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 14, 2003/ASVINA 22, 1925

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर, 2003

अंतिम जांच परिणाम

विषय:- यूरोपीय संघ से एकसरे बैगेज इन्सपेक्शन मल्टी एनर्जी सिस्टमज (एक्स बी आईएस) के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच - अंतिम जांच परिणाम ।

सं. 14/12/2002-डीजीएडी.—1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण), नियम 1995 को ध्यान में रखते हुए;

क. प्रक्रिया

1. प्रारंभिक जांच परिणामों के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई :-

(क) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) ने यूरोपीय संघ से एकसरे बैगेज इन्सपेक्शन मल्टी एनर्जी सिस्टम्स (एक्सबीआईएस) के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच से संबंधित प्रारंभिक जांच परिणामों को 31/3/2003 की अधिसूचना सं 0 14/12/2002-डीजीएडी के द्वारा अधिसूचित किया और हितबद्ध पक्षों को अपने ज्ञात विचार इसके प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों के भीतर लिखित में देने का अनुरोध किया;

(ख) प्राधिकारी ने ज्ञात हितबद्ध पार्टियों को प्रारंभिक निष्कर्षों की एक प्रति भेजी थी जिनसे पत्र को तारीख से 40 दिनों के भीतर प्रारंभिक निष्कर्षों के बारे में अपने विचार, यदि कोई हों, प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था;

(ग) प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षकारों को अपने विचारों को मौखिक रूप से 1.7.2002 और 15/9/2003 को प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया जिसमें सभी हितबद्ध पक्षकारों ने भाग लिया। विचार प्रस्तुत करने वाले सभी पक्षकारों को सार्वजनिक सुनवाई के समय मौखिक रूप से व्यक्त किए गए विचारों को लिखित में दर्ज करने का अनुरोध किया गया था। पक्षकारों को प्रतिपक्षी पक्षकारों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों की प्रतियां लेने तथा उसका उत्तर यदि कोई हो, प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था।

(घ) प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध पर विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए सभी साक्षों एवं तर्कों को अगोपनीय अशों वाली सार्वजनिक फाईल निरीक्षण् हेतु उपलब्ध कराई।

(ङ.) याचिकाकर्त्ताओं एवं अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्कों पर प्रारंभिक जांच परिणामों और अथवा इन निष्कर्षों में उचित ढंग से विचार किया गया है।

(च) उपरोक्त नियम 16 के अनुसार इन निष्कर्षों के लिए विचारित अनिवार्य तथ्यों/आधार को ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों के समक्ष प्रकट किया गया है तथा उन पर प्राप्त टिप्पणियों पर, इन निष्कर्षों में भी विधिवत विचार किया गया है।

(छ) यह जांच 1 अप्रैल, 2001 से 31 मार्च, 2002 (12 महीने) तक की अवधि के लिए है।

(ज) याचिकाकर्त्ता द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर प्राधिकारी ने संबद्ध क्षेत्र से एक्सबीआईएस के आयातों से संबंधित 15 अप्रैल, 2002 की सार्वजनिक सूचना द्वारा यह जांच शुरू की थी, जांच 1 अप्रैल, 2001 से 31 दिसम्बर, 2001 (9 महीनों) की अवधि के लिए की गयी थी।

(झ) इस अधिसूचना में आया *** चिह्न हितबद्ध पक्ष द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना को दर्शाता है और प्राधिकारी द्वारा नियमानुसार ऐसा ही माना गया है।

ख. जांचाधीन उत्पाद

2. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद एक्स रे बैगेज इंस्पेक्शन मल्टी एनेरजी सिस्टम (एक्स बी आईएस) है। इसका प्रयोग विस्फोटक, अनिशास्त्र, नशीले पदार्थों तथा आयात पोतों पर निषिद्ध माल का पता लगाने के लिए सुरक्षा एजेंसियों द्वारा एयरपोर्टों पर किया जाता है। एक्स बी आईएस का कोई प्रतिस्थानी उपलब्ध नहीं है। यह याचिका दो मॉडलों अर्थात् हाइमेन मॉडलज एचएस 6040 आई तथा एचएस 9075 आई तथा निम्नानुसार दिए चार प्रकार के आकार (टनेल विस्तार) चौडाई X ऊँचाई के बारे में कथित पाटन के विरुद्ध हैं :-

चौडाई	ऊँचाई
(क) 600 से 700 मि.मी.	400 से 550 मि.मी.
(ख) 700 से 1000 मि.मी.	550 से 850 मि.मी.
(ग) 1000 से 1200 मि.मी.	800 से 1200 मि.मी.
(घ) 1200 मि.मी. तथा उससे अधिक	1200 मि.मी. तथा उससे अधिक

एक्स रे बैगेज इंस्पेक्शन मल्टी एनेरजी सिस्टम (एक्स बी आईएस) सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 के सीमाशुल्क उपशीर्ष सं. 90.22.19 के अंतर्गत वर्गीकृत है और इसका आईटीसी वर्गीकरण 90.22.1901 है तथा हालांकि यह वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वह किसी भी तरह से वर्तमान जांच के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है।

प्राधिकारी विचाराधीन उत्पाद के बारे में प्रारंभिक जांच परिणामों की पुष्टि करते हैं।

ग. समान वस्तुएं

3. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) में यह विनिर्दिष्ट है कि "समान वस्तुओं" का अर्थ वह वस्तुएं हैं जो जांचाधीन वस्तु से मिलती जुलती या उसके सदृश्य हैं अथवा जिसे ऐसी वस्तु के अभाव में दूसरी ऐसी वस्तु जिसमें जांचाधीन वस्तुओं से मिलती जुलती विशेषताएं हों।

याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि तकनीकी रूप से भारतीय विनिर्मित उत्पाद आयातित उत्पादों से बेहतर हैं तथा वे स्थानीय वातावरण एवं हैडलिंग के लिए अनुकूल हैं। इसीआईएल के तुलनीय मॉडल रेपिस्कॉन तथा हाइमेन, जिनके पाटन का आरोप है, निम्न प्रकार से हैं:-

हाइमेन मॉडल	तुलनीय ईसीआईएल ऐपिस्कॉन मॉडल	आकार (टनल विस्तार लगभग चौड़ाई x लम्बाई)
एचएस 6040 आई	ईसीआर 520	60 सेमी x 40 सेमी
एचएस 9075 आई	ईसीआर 526 ए/बी	90 सेमी x 75 सेमी

किसी हितबद्ध पार्टी द्वारा समान वस्तु पर दिए गए तर्क की अनुपस्थिति में नियमावली के अंतर्गत याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित वस्तुओं को संबद्ध देश से निर्यातित वस्तुओं के समान वस्तु माना जा रहा है।

जांच शुरू करने के प्रयोजनार्थ याचिकाकर्ता ने माडल 6040 डी (याचिकाकर्ता द्वारा उपभोक्ताओं के लिए गौण परिवर्तनों के साथ 6040 आई जैसे माडल होने का दावा किया जाता है) और 9075 एक्सरेमशीन की प्राप्ति के लिए मैसर्स हाइमेन सिस्टमज जीएमबी द्वारा ब्राजील डाक सेवाएं के अंतर्राष्ट्रीय टेंडर में ब्राजील सरकार डाक सेवाएं को उद्धत कीमतों के आधार पर यूरोपीय संघ (जर्मनी) में सामान्य मूल्य का दावा किया था। पाटन के साक्ष्यों के रूप में याचिका में द जर्नल डे ब्रासीलिया में प्रकाशित ब्राजील में मैसर्स हाइमेन की कीमतें तथा उसका अंग्रेजी अनुवाद संलग्न किया गया था। जांच शुरू करने हेतु सामान्य मूल्य के प्रथम दृष्टया निर्धारण के लिए प्राधिकारी ने ब्राजील में मैसर्स हाइमेन की कीमतों को स्वीकार कर लिया था। एएआई के अनुरोध पर याचिकाकर्ता द्वारा द जर्नल डे ब्रासीलिया में प्रकाशित ब्राजील में मैसर्स हाइमेन की कीमतें तथा उसके अंग्रेजी अनुवाद को अगोपनीय माना था तथा उसे सार्वजनिक फाइल में रख दिया था।

इसके पश्चात दिनांक 13 जुलाई, 2002 के पत्र द्वारा ही मैसर्स हाइमेन सिस्टमज द्वारा गोपनीय निवेदन किए गए थे जिसमें उन्होंने ब्राजील तथा एयरपोर्ट अथारिटी आफ इंडिया को आपूर्ति किए गए मॉडलों के अंतर्णालों के ब्यौरों को प्रस्तुत किया था। मै0 हाइमेन सिस्टमज से प्राधिकारी द्वारा उसक दिनांक 19 अगस्त, 2002 द्वारा निवेदनों को अगोपनीय मानने का अनुरोध किया गया था ताकि हितबद्ध पक्षकारों के विचार जानने के लिए उन्हें सार्वजनिक फाइल में रखा जा सके। प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै0 हाइमेन सिस्टमज से इस संबंध में कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ था।

तथापि प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान जांच में मामला जैसा कि निर्यातक के प्रत्युत्तर में बताया गया है, याचिकाकर्ता द्वारा विनिर्मित मॉडलों का यूरोपीय संघ से भारत को निर्यातित मॉडलों से तुलना का

है। इसलिए समान वस्तु एक्स बी आई एस 6075 आई तथा 9075 के याचिकाकर्ता द्वारा विनिर्मित तुलनीय मॉडल हैं जो कि यूरोपीय संघ में घरेलू बाजार में बेचे गए तथा जिनका जांच अवधि के दौरान एयरपोर्ट्स अथारिटी ऑफी इंडिया द्वारा आयात किया गया था। प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यातक प्रश्नावली के अपने गोपनीय प्रत्युत्तर में मै0 हाइमेन ने भारत को बेचे गए उत्पादों अर्थात् 6040 आई तथा 9075 के बारे में तकनीकी विनिर्दिशों के बारे में व्यौद्ध प्रस्तुत नहीं किए। हालांकि किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने ऐसा नहीं कहा कि घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित वस्तुएं भारत में निर्यातित मॉडलों के समान नहीं हैं।

याचिकाकर्ता ने बताया है कि निविदा आमंत्रित करने वाली सूचनाओं में प्रयोक्ता सामान्यतः टनल आकार की रेज निर्दिष्ट करते हैं ताकि आदेश के लिए बड़ी संख्या में विनिर्माता एवं मॉडल प्रतिस्पर्द्ध कर सकें। विभिन्न उत्पादों के बीच यह भी एक प्रथा है कि यदि टनल आकारों में न्यूनतम अंतर भी है तो भी विभिन्न मॉडलों को भिन्न मॉडल सं. या मॉडल नाम दिया जाए। इसलिए इस जांच के प्रयोजनार्थ एक्सबीआईएस मशीन की सभी मॉडलों को समान वस्तु माना जाना चाहिए।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारतीय विमानापत्तन तथा नागरिक विमानन व्यूरो (बीसीएएस) में सुरक्षा प्रयोगों के लिए मानक निर्धारित किए हुए हैं। यह मुख्यतः आईसीएओ मानकों से लिए गए हैं तथा इनका अनुसरण सदस्य देशों द्वारा किया जाता है। जांच अवधि के दौरान एएआई द्वारा आमंत्रित निविदाओं में दो मॉडल शामिल थे, वे हैं, 6040आई तथा 9075 प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तुओं की खरीद में निविदा प्रक्रिया शामिल है तथा इसलिए निर्धारित तकनीकी विशिष्टिकरण संभावित आपूर्तिकर्ताओं द्वारा संकलित किए जाएंगे। संबद्ध वस्तुओं का तकनीकी विशिष्टिकरण तथा निविदाओं के मार्फत खरीद प्रक्रिया प्रयोक्ताओं के लिए उत्पाद प्रतिस्थापनता व्यक्त नहीं करती इस मामले में मुख्य प्रयोक्ता एयरपोर्ट्स अथारिटी ऑफ इंडिया है। एएआई ने अपने निवेदनों के कारण जांच परिधि में अंतर आया है तथा उन्होंने विशिष्टिकरणों को बढ़ाया है (जैसे इनपुट मोटराइज़ेड कनवेयर तथा आउटपुट शूट) टनल आकार में वृद्धि की है टीआईपी सुविधा के लिए साफ्टवेयर लोड किया है तथा इनपुट एवं आउटपुट रोलर सुविधा उपलब्ध कराई है जिससे उनकी लागत बढ़ गई है। इसलिए प्राधिकारी नोट करते हैं कि विभिन्न माडलों में मूल्य आधारित विशेषताओं तथा भैदन एवं विभेदन के अंतरों के कारण तकनीकी अंतर पाए जाते हैं - कीमत में अंतर प्रत्येक प्रणाली टनल रेज की आवश्यकता पर आधारित अवधि निर्मित मूल्य आधारित विशेषताओं के कारण होगा। मॉडल 6040 तथा 9075 की कीमतों का अंतर जो कि वर्तमान जांच का मुख्य विषय है, *** अ.डा. या ***/-रुपए है। यह अंतर केवल टनल आकार के लिए ही नहीं अपितु जूम सुविधा के अंतर के

कारण भी है (हाइमेन सिस्टम के लिए 16 X तक) तथा (ईसीआईएल के लिए 8 X तक) इसलिए वर्तमान जांच एक्सबीआईएल के दो मॉडलों अर्थात् 6040 आई तथा 9075 तक ही सीमित है, जिनका टनेल आकारों के अनुरूप जांच अवधि के दौरान आयात किया गया था।

घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित एक्सबीआईएस को यूरोपीय संघ से निर्यातित एक्सबीआईएस के समान वस्तु सिद्ध करने के लिए प्राधिकारी द्वारा तकनीकी विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया कार्य तथा प्रयोग एवं सीमाशुल्क वर्गीकरण जैसी विशेषताओं पर विचार किया गया। प्राधिकारी ने यह भी पाया कि घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित एक्सबीआईएस में आयातित एक्सबीआईएस के बहुत मिलती जुलती विशेषताएं हैं तथा तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप से संबद्ध देश से आयातित एक्सबीआईएस का प्रतिस्थापन किया जा सकता है। नियम 2(घ) के अर्थों के भीतर घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित एक्सबीआईएस को यूरोपीय संघ से निर्यातित उत्पाद के समान वस्तु माना गया है।

उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी समान वस्तु के संबंध में प्रारंभिक जांच परिणामों की पुष्टि करते हैं।

घ. घरेलू उद्योग

4. यह याचिका मै. ईसीआईएल रैपिस्कॉन लिंग, सिकंदराबाद जो कि इलेक्ट्रॉनिक्स कार्पॉरेशन ऑफ इंडिया लि. (ईसीआईएल) हैदराबाद, भारत सरकार का सार्वजनिक उपक्रम तथा आप्टों सेंसर आईएनसी (रैपिस्कॉन) यूएसए, मै. औप्टों सेंसरस आईएनसी (ओएसआई) कैलिफोर्निया यूएसए तथा इलेक्ट्रॉनिक्स कार्पॉरेशन ऑफ इंडिया लिंग (ईसीआईएल) के बीच संयुक्त उद्यम है, द्वारा दायर की गई संयुक्त उद्यम करार में प्रवेश करने के साथ भारत के नियमों के अंतर्गत संयुक्त स्टाक कार्पॉरेशन सीमित दायित्व को संगठित करने जैसे उत्पादन, जोड़ने परीक्षण, विपणन, विक्रय तथा एकल एवं बहु एनर्जी एक्से रे बैगे इंस्पेक्शन सिस्टम विस्फोटक संसूचक, धातु संसूचकों तथा संबंधित सुरक्षा उत्पादों के मध्य चलना। ईसीआईएल रैपिस्कॉन लिंग कंपनी का सामान्य व्यापार प्रयोजन संयुक्त उद्यम करार के अनुच्छेद-2 में दिया गया है (i) भरत में विनिर्माण के लिए प्रबंध करना, उत्पाद को जोड़ना तथा उसका परीक्षण (उपर्युक्त व्याख्या के अनुसार)

यह याचिका ईसीआईएल रैपिस्कॉन लिंग (ईसीआर) द्वारा दायर की गई है। संयुक्त उद्यम करार के अंतर्गत ईसीआइर से अपेक्षा की जाती है कि वे ईसीआईएल को उत्पाद के विनिर्माण के लिए आवश्यक संघटक उपलब्ध कराए। ईसीआर से अपेक्षा की जाती है कि वे उत्पाद का परीक्षण, विपणन, विक्रय एवं

उनकी आवश्यकता पूर्ति करें। इसलिए याचिकाकर्ता मशीन का उत्पाद ईसीआईएल से करवाता है तथा ईसीआईएल द्वारा एक्सबीआईएस का संपूर्ण उत्पादन ईसीआर के लिए एवं उसकी ओर से है। ईसीआईएल भारत में संबद्ध वस्तुओं का एकमात्र विनिर्माता है तथा उसने याचिका का समर्थन किया है।

पाटनरोधी नियमावली का नियम 2 घरेलू उद्योग को निम्न रूप से परिभाषित करता है :-

‘घरेलू उद्योग’ का अर्थ है घरेलू उत्पादक जो पूर्ण रूप से समान वस्तु के उत्पादन या उससे संबंधित किसी भी कार्यकलाप में लगे हुए है तथा जिनका उपर्युक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उस वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का प्रमुख हिस्सा है केवल जब ऐसे उत्पादक कथित पाटित वस्तु के निर्यातकों अथवा आयातकों से जुड़े हुए हैं या उस वस्तु के स्वयं आयातक तब ऐसे मामले में ऐसे उत्पादक घरेलू उद्योग का भाग नहीं समझे जाते।’

जैसाकि ऊपर बताया गया है ईसीआर से अपेक्षा की जाती है कि वह ईसीआईएल के वह आवश्यक संघटक उपलब्ध करवाएं जो कि ईसीआईएल के लिए उत्पाद के विनिर्माण में सहायक है। ईसीआईएल द्वारा एक्स बी आई एस का संपूर्ण उत्पादन ईसीआर के लिए तथा उसकी ओर से है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि मैं ईसीआईएल रेपिस्कॉन मैं। ईसीआईएल कथित पाटित वस्तुओं के आयातकों या निर्यातकों से संबंधित नहीं है और न ही वे आयातक ही है।

इसलिए प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग का हिस्सा है तथा उनके पास नियमावली के अंतर्गत वर्तमान याचिका दायर करने का आधार है।

ड. पाटन

उद्गम के देशों में संबद्ध वस्तुओं के निर्यातक एवं उत्पादक

5. धारा 9क (l) के अनुसार प्राधिकारी ने संबद्ध क्षेत्र के ज्ञात निर्यातक को प्रश्नावली भेजी। मै. हाइमेन सिस्टमज ने प्रश्नावली का प्रत्युत्तर प्रस्तुत किया।

(क) सामान्य मूल्यः-

मै0 हाइमेन सिस्टम्स, जर्मनी

निर्यातक ने बताया है कि घरेलू बाजार में बिक्री संबंधी आंकड़े जर्मनी और यूरोपीय संघ में सभी अन्य बिक्रियों के लिए उपलब्ध कराए गए हैं। यह अंतर महत्वपूर्ण है क्योंकि जर्मनी में की गई बिक्रियाँ उन मशीनों के लिए हैं जिनकी अलग प्रकार की विशेषताएं हैं और मूल्य वर्द्धित मर्दें और मशीनों संबंधी सेवाओं को ईयू में अन्यत्र बेचे जाते हैं।

ग्रेड 6040 - प्राधिकारी नोट करते हैं कि जर्मनी में बिक्री कीमत *** ई तथा यूरोप में बिक्री कीमत *** ई है। किसी भी प्रकार की छूट/कमीशन की अदायगी नहीं की गई है। प्राधिकारी ने यूरोपीय संघ की बिक्री कीमतों पर विचार किया है क्योंकि जर्मनी ईयू की सीमाशुल्क संघ का एक भाग है।

विनिर्माण कीमत *** ई तथा बिक्री कीमत *** ई बताई गई है। कारखाना द्वार लागत के पश्चात के प्रभार *** ई पैकिंग तथा *** ई भाड़े के कारण हैं। भाड़े में विदेशी भाड़ा तथा बीमा शामिल हैं। इनके कारण इसका कोई व्यूरा उपलब्ध नहीं करवाया गया। उपर्युक्त समायोजनों पर विचार के पश्चात कुल लागत *** ई आती है।

12

विनिर्माण के पश्चात कीमतों में परिवर्तन है (i) दो वर्ष की सेवा सुविधा जिसमें सभी भाग, मजदूरी तथा हेल्प लाइन शामिल हैं जो कि *** ई पर संविदा का ***% है, (ii) *** ई पर ***% की दो वर्ष की गारंटी, (iii) *** सप्ताह में सुपुर्दगी (स्टाक से लागत तथा सामग्री होल्डिंग) ***% की दर से / *** ई पर (iv) 24 आपातकालीन रिपेयर संविदा जिसकी गणना संविदा के ***% पर की गई *** ई विनिर्दिष्टताओं में परिवर्तन के कारण समायोजन *** ई है कीमत परिवर्तन के कारण कुल समायोजन लागत *** ई है।

इसलिए कारखानागत सामान्य मूल्य स्तर *** ई माना गया है।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि जिन संविदाओं के आधार पर समायोजनों का दावा किया गया है उनके ब्यौरे उपलब्ध नहीं करवाए गए हैं। विशिष्टताओं में परिवर्तन के ब्यौरे/सूचना भी उपलब्ध नहीं करवाई गई है।

ग्रेड 9075 प्राधिकारी नोट करते हैं कि जर्मनी में बिक्री कीमत *** ई है तथा यूरोप में बिक्री कीमत *** ई है। किसी भी प्रकार की छूट कमीशन की अदायगी नहीं की गई है। प्राधिकारी ने यूरोपीय संघ की बिक्री कीमतों पर विचार किया है क्योंकि जर्मनी ईयू के सीमाशुल्क संघ का एक हिस्सा है।

विनिर्माण कीमत *** ई तथा बिक्री कीमत *** ई बताई गई है। कारखाना द्वार लागत के प्रभार *** ई पैकिंग तथा *** ई भाड़े के कारण हैं। भाड़े में विदेशी भाड़ा तथा बीमा शामिल हैं। इनके कारण

इसका कोई व्यौरा उपलब्ध नहीं करवाया गया । उपर्युक्त समायोजनों पर विचार के पश्चात कुल लागत ***ई बनती है ।

विनिर्माण के पश्चात कीमतों में विवरण है (i) दो वर्ष की सेवाई सुविधा जिसमें सभी भाग मजदूरी तथा हेल्प लाइन शामिल हैं जो कि ***ई पर संविदा का ***% है, (ii) ***ई पर ***% की दो वर्ष की गारंटी (iii) *** सप्ताह में सुपुर्दगी (स्टाफ से लागत तथा सामग्री होल्डिंग) ***% की दर से/***ई पर (iv) 24 आपातकालीन स्थिर सुविधा जिसकी गणना संविदा के ***% पर की गई ***ई विनिर्दिष्टताओं में परिवर्तन के कारण समायोजन ***ई बनती है । कीमत परिवर्तन के कारण कुल समायोजन लागत ***ई है ।

इसलिए कारखानागत सामान्य मूल्य स्तर ***ई माना गया है ।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि जिन संविधाओं के आधार पर समायोजनों का दावा किया गया है उनके व्यौरे उपलब्ध नहीं करवाए गए है । विशिष्टताओं में परिवर्तन के लिए/जूदना भी उपलब्ध नहीं करवाई गई है

(ख) निर्यात कीमत

(क) ग्रेड 6040 निर्यातक ने ग्रेड 6040 की 42 यूनिटें ए ए आई को तथा 3 मूनिटों जीई कैपिटल को बेची जैसा कि अनुबंध-6 में बताया गया है निर्यातों की फैक्टरी लागत ***अ.डा. या ***ई है । एएआई का संविदा मूल्य ***ई है । ***% बिक्री कमीशन के पश्चात (***ई) बिक्री कीमत ***ई आती है । जीई को बिक्री कीमत ***ई ***% बिक्री कमीशन (**) के पश्चात बिक्री कीमत ***ई आती है । एएआई तथा जीई की औसत कीमत कमीशन से पहले ***ई तथा कमीशन के बाद ***ई है ।

ग्रेड 6040 ए ए आई विनिर्माण कीमत ***ई है तथा बिक्री कीमत ***ई बताई गई है । कारखानागत लागत ***ई है ।

ग्रेड 6040 जी ई- विनिर्माण कीमत *** ई तथा बिक्री कीमत *** ई बताई गई है । कारखानागत लागत *** ई है ।

चूंकि ए ए आई तथ जी ई के माडल की बिक्री के लिए विदेशी भाड़े में समायोजन तथा 2 वर्ष की वारंटी में भिन्नता थी, प्राधिकारी ने 6040 के लिए भारित औसत कारखाना द्वारा स्तर कीमत पर विचार किया जो कि *** ई है ।

(ख) **ग्रेड 9075** इस ग्रेड की 16 ईकाइयां एएआई को बेची गई हैं । इस ग्रेड के लिए कीमत समायोजन अनुबंध-4 में दिए गए हैं । अनुबंध-8 के अनुसार निर्यात की फैक्ट्री लागत 9075 के लिए निर्यात कीमत *** ई बताई गई है । ***% की बिक्री कमीशन के पश्चात बिक्री कीमत *** ई निकाली है । समायोजनों में *** ई पर पैकिंग लागत, एफओबी के पहले *** ई पर अंतर्देशीय भाड़ा तथा *** ई पर विदेशी भाड़ा शामिल हैं । उपर्युक्त के कारण कुल लागत *** ई आती है ।

उचित तुलना के लिए समायोजनों में (i) ***% या *** ई पर 2 वर्ष की वारंटी (ii) विशिष्टिकरण परिवर्तन *** ई; (iii) अन्य *** ई ।

निर्यातक ने 'अन्य' के अंतर्गत बताई गई लागतों का कोई ब्यौरा नहीं दिया । 'अन्य' को छोड़कर उपर्युक्त लागतों पर विचार करने के पश्चात प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ ग्रेड 9075 के लिए कारखानागत निर्यात कीमत *** ई निकलती है ।

(ग) पाटन मार्जिन:-

प्राधिकारी द्वारा जाँच:-

प्राधिकारी ने अनुबंध-1 में दिए गए पाटनरोधी नियमों में सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन के निर्धारण को शासित करने वाले सिद्धांतों की संगत नीति को अपनाया है । मै0 हीमान सिस्टम्स के मामले में प्राधिकारी ने उपर्युक्त इंगित सामान्य मूल्य तथ निर्यात कीमतों के आधार पर पाटन मार्जिन का मूल्यांकन किया है; जैसाकि नीचे दी गई सारणी में दर्शाया गया है :-

ग्रेड	कारखानागत सामान्य मूल्य	कारखानागत निर्यात कीमत	डीएम (ई)	डीएम (यूएसडी)	डीएम (%)
6040	ई***	ई***	***	***	10.34 %
9075	ई***	ई***	***	***	32.15 %

च. क्षति:-**प्राधिकारी का विचार:-**

प्राधिकारी ने अंतिम निर्धारण के लिए क्षति के संबंध में सभी संकेतकों पर विचार किया है। इसके अंतर्गत अनुबंध-॥ में विनिर्दिष्ट क्षति निर्धारण के लिए सभी संगत सिद्धांत शामिल हैं, जैसे कि पाटित आयातों की मात्रा, घरेलू बाजार में कीमतों पर उनका प्रभाव तथा उसका उत्पादन पर प्रभाव, क्षमता उपयोग, बिक्री, लाभ, तथा घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा आदि। घरेलू उद्योग के लिए समान वस्तु की क्षतिरहित कीमत का निर्धारण करते हुए प्राधिकारी ने सभी संगत कारकों जैसे कच्चे माल का उपयोग, उपयोगिताओं को प्रयोग में लाना तथा जांच अवधि के दौरान वास्तविक व्यय सहित निवेश तथा क्षमता उपयोग जैसे कारकों का समुचित विश्लेषण किया है। घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत का निर्धारण, याचिकाकर्ता द्वारा लगाई गई पूंजी पर होने वाली समुचित आय पर विचार करने के पश्चात किया गया है। क्षति के मार्जिन की गणना के लिए, घरेलू उद्योग की कारखानागत क्षति रहित कीमत की तुलना आयातित वस्तु के पहुँच मूल्य से की गई है।

आयातों की मात्रा, उत्पादन, क्षमता एवं क्षमता उपयोग, बिक्री एवं बाजार हिस्सा, अंतिम स्टॉक, संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का पहुँच मूल्य तथा याचिकाकर्ता की बिक्री कीमत निम्नानुसार थी:-

क) आयातों की मात्रा**मात्रा (रु.)**

देश	1999-2000		2000-2001		जांच अवधि	
	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
कुल आयात	38	***	26	***	106	***
ईयू	31	***	13	***	55 हीमान सिस्टम्स-61	***
अन्य	7	***	13	***	51	***

आयातों की मात्रा के विश्लेषण हेतु वर्ष 1999-2000 तथा 2000-2001 तथा जांच अवधि के लिए डीजीसीआईएस द्वारा प्रकाशित आयात आंकड़ों पर विचार किया गया। डीजीसीआई एंड एस के आंकड़ों के अनुसार ईयू से संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा 55 यूनिट थी। मै. हीमान सिस्टम्स द्वारा प्रस्तुत निवेदनों के अनुसार जांच अवधि के दौरान भारत को 61 यूनिटों का निर्यात किया गया।

(ख) उत्पादन तथा क्षमता उपयोग

याचिकाकर्ता की उत्पादन क्षमता, वास्तविक उत्पादन तथा क्षमता उपयोग नीचे दी गई सारणी के अनुसार थी:-

याचिकाकर्ता	1999-2000	2000-2001	जांच अवधि
संस्थापित क्षमता (इकाईयों की सं.)	100	100	100
उत्पादन (इकाईयों की सं.)	18	56	18
क्षमता उपयोग %	18 %	56 %	18 %

ईसीआईएल द्वारा संबद्ध वस्तु के उत्पादन से ईसीआईएल द्वारा ईसीआर को बिक्री मात्रा की पुष्टि होती है।

(ग) बिक्रियाँ तथा बाजार हिस्सा

	1999-2000	2000-2001	जांच अवधि
याचिकाकर्ता की बिक्रियाँ (इकाईयों की सं.)	63 (ईसीआईएल से ईसीआर-18)	58(ईसीआईएल से ईसीआर-56)	25 (ईसीआईएल से ईसीआर-18)
माँग	101	84	131
पाटित आयातों का हिस्सा %			46.56 %
याचिकाकर्ता का हिस्सा %			19.08 %

ईसीआईएल से ईसीआर को बिक्री इकाईयों को छोड़कर ईसीआर की शेष बिक्री मात्रा संबद्ध वस्तु की ईसीआर द्वारा प्रभावित आयातों के कारण है।

(घ) कीमत में कटौती तथा कीमत में मंदी

लाख रूपए

तुलनीय मॉडलों के लिए घरेलू उद्योग की बिक्री प्राप्ति	आयातों की पहुँच कीमत ईयू	कीमत कटौती		
		राशि	%	
ईसीआर 520	***	6040	***	*** 41.34 %
ईसीआर 526	***	9075	***	*** 39.27 %

यह मालूम हुआ है कि यद्यपि संबद्ध आयातों की पहुँच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों से कम है, तथापि इससे जाँच अवधि के दौरान संबद्ध मॉडलों की बिक्रियों पर घरेलू उद्योग को लाभ के साथ अधिक वसूली करने में कोई रुकावट नहीं हुई है। यह भी नोट किया गया है कि बिक्री प्राप्तियाँ जाँच अवधि के लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा संबद्ध वस्तु के लिए निर्धारित घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत से अधिक हैं। अतः कीमत ह्रास का प्रश्न नहीं उठता है।

(ड.) लाभप्रदता:-

वर्ष 2000-2001 के दौरान घरेलू उद्योग को *** लाख रुपए की कुल बिक्री पर *** लाख रुपए (7%) का नुकसान हुआ था। जाँच अवधि के दौरान इसने *** लाख रुपए के कुल कारोबार पर *** लाख रुपए (2.6%) लाभ कमाया था। अतः लाभप्रदता-7% से +2.6% में परिवर्तित हो गई थी।

(लाख रुपए में)

ईसीआईएल/ ईसीआईएल- रेपिस्कान	1999-2000		2000-2001		जाँच अवधि	
	ईसीआर 520 (6040)	ईसीआर 526 ए (9075)	ईसीआर 520 (6040)	ईसीआर 526 ए (9075)	ईसीआर 520 (6040)	ईसीआर 526 ए (9075)
सीओपी/ सीओएस			***	***	***	***
बिक्री कीमत (ईसीआईएल - रेपिस्कान)			***	***	***	***
पी/एल			***	***	***	***

संबद्ध मॉडलों की ईसीआईएल, रेपिस्कान की बिक्री कीमत में पिछले वर्ष की तुलना में जाँच अवधि के दौरान वृद्धि हुई थी। संबद्ध वस्तु के लिए घरेलू उद्योग के लाभ में भी पिछले वर्ष की तुलना में जाँच अवधि के दौरान वृद्धि हुई थी। प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह बिक्री कीमत जाँच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु के लिए निर्धारित क्षति रहित कीमत से अधिक है।

तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि जब वर्ष 1999-2000 तथा 2000-2001 के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा अधिक थी तो उसे घाटा उठाना पड़ा था । तथापि, जब जाँच अवधि के दौरान उसकी बिक्री मात्राओं में गिरावट आई तो उसे सकारात्मक प्राप्ति हुई । लाभप्रदता में यह वृद्धि संबद्ध मॉडलों की कीमत कटौती के कारण हुई थी । अतः, घरेलू उद्योग की लाभप्रदता के विचार से कथित रूप से हुई वास्तविक क्षति और संबद्ध क्षेत्र से आयातों, जो इस जाँच का संबद्ध विषय है, के बीच कोई कारणात्मक संबंध स्थापित नहीं किया जा सकता है ।

(च) बिक्रियों में वास्तविक एवं संभावित गिरावट

जैसा कि पहले बताया जा चुका है कि वर्ष 2000-2001 में बिक्री मात्रा जो कि 58 यूनिट थी, जाँच अवधि के दौरान घट कर 25 यूनिट रह गई । अतः, यद्यपि बिक्री की मात्रा में गिरावट आई थी, तथापि घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में गिरावट और वास्तविक आयात मात्रा के बीच कोई संबंध स्थापित नहीं किया जा सकता ।

(छ) उत्पादन

वर्ष 2000-2001 के दौरान घरेलू उत्पादन 56 यूनिट था । जाँच अवधि के दौरान यह घट कर 18 यूनिट रह गया । चूंकि अन्य स्रोतों से आयात मात्रा में 1999-2000 में 7 यूनिट से जाँच अवधि में 51 यूनिट की अत्यधिक वृद्धि हुई, अतः घरेलू उद्योग को इस कारण अपना बाजार हिस्सा गँवाना पड़ा ।

(ज) निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग

विद्यमान जन शक्ति तथा अन्य स्रोतों के नियंत्रण में होने के कारण घरेलू उद्योग इस वर्ष 100 यूनिटों तक उत्पादन कर सका । जाँच अवधि के दौरान उन्होंने केवल 18 यूनिटों का उत्पादन किया । प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु की मांग एआई जैसे बड़े खरीददारों तथा अन्य पर निर्भर है । अतः, घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में ऑर्डरों की संख्या, जिन्हें वह प्राप्त कर सकेगा, के अनुसार परिवर्तन होता रहेगा । चूंकि विचाराधीन उत्पाद का स्वरूप अत्यधिक तकनीकी है, अतः ऑर्डर दिए जाने के लिए कीमत एकमात्र निर्धारक कारक नहीं है । वर्तमान जाँच में घरेलू उद्योग द्वारा ऑर्डर को गँवाने के लिए मात्र आयातित एक्स बी आईएस की कीमत को जिम्मेदार नहीं माना जा सकता है ।

(झ) घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

विश्व में एक्सबीआईएस प्रणाली का बाजार अत्यधिक प्रतिस्पर्धी है । वैश्विक दृष्टि से केवल दो प्रतिस्पर्धी उत्पाद हैं - पहला रेपिस्कान से तथा दूसरा मै0 हाइमेन से । कोई अन्य कारक ऐसा नहीं है जो घरेलू कीमतों को महत्वपूर्ण सीमा तक प्रभावित करता हो ।

(अ) पाटन मार्जिन की मात्रा

सहयोगी निर्यातकों के प्रत्युत्तर में पहले मॉडल के लिए पाटन मार्जिन 10.34% तथा दूसरे मॉडल के लिए 32.15% है।

(ट) नकदी प्रवाह

वर्ष 2000-2001 में घरेलू उद्योग का बिक्री राजस्व 15.17 करोड़ रूपए रहा। बिक्री मात्रा में कमी के कारण जांच अवधि के दौरान यह घटकर 6.45 करोड़ रूपए हो गया।

(ठ) भंडार सूची

याचिकाकर्ता	1999-2000	2000-2001	जांच अवधि
अंतिम स्टॉक		4	0

(ड) रोजगार

घरेलू उद्योग द्वारा लगाई गई मानवशक्ति में किसी प्रकार की कमी नहीं हुई है।

(ढ) मजदूरी

सार्वजनिक क्षेत्र तथा संयुक्त क्षेत्र का एकक होने के कारण मजदूरी का आधार व्यापार की मात्रा या लाभ नहीं है। इसलिए क्षति के निर्धारण में यह संगत नहीं है।

(ण) निवेश में वृद्धि की क्षमता

यह पूँजी गहन उद्योग नहीं है। इसमें केवल पर्याप्त कार्यशील पूँजी की आवश्यकता है न कि नियत पूँजी की। इसलिए यह मानदण्ड इस उद्योग के लिए संगत नहीं है।

(छ) क्षति के संबंध में निष्कर्ष

प्राधिकारी ने इन अंतिम जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ मापदण्डों पर सावधानीपूर्वक विचार किया है ताकि क्षति का निर्धारण किया जा सके। जहाँ तक आयातों की कुल मात्रा का संबंध है प्रारंभिक जांच परिणामों में सभी अन्य स्रोतों से आयातों के आंकड़े शून्य दर्शाये गये थे। डीजीसीआई एंड एस के आंकड़ों के अनुसार सम्बद्ध क्षेत्र से इतर सभी अन्य स्रोतों से आयातों की कुल मात्रा 51 यूनिट रही थी जिससे सभी स्रोतों से हुए कुल आयात प्रारंभिक जांच परिणामों के समय केवल 61 यूनिट की तुलना में 106 यूनिट हो

गये थे । इससे यह पता चलता है कि अन्य स्रोतों से आयातों की मात्रा 1999-2000 में 7 यूनिट से पर्याप्त बढ़कर 2000-2001 (जांच अवधि से पहले की अवधि) में 13 यूनिट और जांच अवधि में बढ़कर 51 यूनिट हो गई है जिससे घरेलू उद्योग अन्य स्रोतों से आयातों के बाजार हिस्से को स्वीकार करने के लिए बाध्य हुआ है जिसे पाटन के रूप में आरोपित नहीं किया गया है । घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत को अंतिम रूप देते समय प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि घरेलू उद्योग को कीमत हास का सामना नहीं करना पड़ा है और उसकी लाभप्रदता में वास्तव में बढ़ोत्तरी हुई है । प्रारंभिक जांच परिणामों की अधिसूचना के बाद जांच की कार्यवाही के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्राधिकारी को उपलब्ध कराई गई अतिरिक्त सूचना में जिन तथ्यों का उल्लेख किया गया था उन पर निर्दिष्ट प्राधिकारी ने विचार किया था जिसके अलग-अलग निष्कर्ष निकले थे ।

प्राधिकारी का मानना है कि:-

पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-॥ (ii) में यह उल्लेख है कि "नियम 18 के उपनियम (2) में उल्लिखित कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी यह विचार करेंगे कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमत में भारी कटौती हुई है, अथवा क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों को काफी मात्रा में कम करना है या कीमतों को बढ़ने से रोकना है जो कि अन्यथा एक महत्वपूर्ण स्तर तक बढ़ गई होती"

ईयू से डीजीसीआईएस के आंकड़ों के अनुसार 6040 के लिए *** लाख रुपए तथा 9075 के लिए *** लाख रुपए पहुँच मूल्य था जबकि तुलनात्मक मॉडलों के लिए घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत (उत्पाद शुल्क का निवल) *** लाख रुपए तथा *** लाख रुपए थी । प्राधिकारी नोट करते हैं कि जबकि सम्बद्ध आयातों का पहुँच मूल्य घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम था, इससे घरेलू उद्योग जांच अवधि के दौरान संबद्ध मॉडल की लाभ पर बिक्री पर उच्चतर प्राप्ति से वंचित नहीं हुआ था । यह भी नोट किया गया कि जांच अवधि के दौरान प्राधिकारी द्वारा तुलनात्मक मॉडलों के लिए घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमतों की तुलना में बिक्री प्राप्ति बहुत अधिक थी । इसलिए संबद्ध आयातों से कीमत हास का प्रश्न नहीं उठता तथा पाटित आयातों से याचिकाकर्ता को क्षति की पुष्टि नहीं होती है ।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि जब घरेलू उद्योग के पास 1999-2000 तथा 2000-2001 के दौरान अधिक बिक्री मात्रा थी तब इसे घाटा उठाना पड़ा है । तथापि, जब जांच अवधि के दौरान इसकी बिक्री मात्रा घटी इसने सकारात्मक लाभ कमाया । लाभप्रदता में यह वृद्धि संबद्ध मॉडल की कीमत कटौती के कारण हुई

थी। अतः घरेलू उद्योग की लाभप्रदता की दृष्टि से उसे हुई कथित वास्तविक क्षति और संबद्ध आयातों के बीच किसी कारणात्मक संबंध की पुष्टि नहीं हो सकती है।

घरेलू उद्योग का अंतिम स्टाक पूर्ववर्ती वर्ष में 4 यूनिट और 1999-2000 में 6 यूनिट की तुलना में जांच अवधि के दौरान सबसे कम 1 यूनिट रहा था।

घरेलू उद्योग की लाभप्रदता -7% से बढ़कर +2.6% हो गई। पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के संबद्ध माडलों की बिक्री कीमत और लाभ में वृद्धि हुई। प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह बिक्री कीमत जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु के लिए निर्धारित क्षति रहित कीमत से अधिक थी।

जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग से यह पता चलता है कि प्रमुख क्रेताओं ने घरेलू उद्योग को संबद्ध वस्तु के आर्डर प्रस्तुत नहीं किये। प्रारंभिक जांच परिणाम के पैरा-17 में किए गए उल्लेख के अनुसार याचिकाकर्ता 220 रंगीन एक्स बी आई एस की आपूर्ति हेतु तकनीकी मूल्यांकन अथवा एएआई द्वारा जारी समस्त एनआईटी अपेक्षाओं को पूरा करने की अर्हता नहीं रखता था।

(ज) कारणात्मक संबंध

6. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने लाभप्रदता के संबंध में सुधार दर्शाया है जो कि उद्योग की स्थिति को प्रभावित करने वाला एक प्रमुख मापदण्ड है। घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा प्रमुख क्रेताओं पर निर्भर होता है और घरेलू उद्योग को विभिन्न निविदाओं में यथाविर्तिदिष्ट तकनीकी मापदण्डों को पूरा करना अपेक्षित होता है। अन्य स्रोतों से आयात की मात्रा 1999-2000 में 7 यूनिट से अत्यधिक बढ़कर जांच अवधि में 51 यूनिट हो गई और घरेलू उद्योग को इस वजह से बाजार हिस्से को स्वीकार करना पड़ा था। अतः संबद्ध क्षेत्र से पाटित आयातों का घरेलू उद्योग पर कोई मात्रात्मक प्रभाव नहीं पड़ा था। कीमत संबंधी प्रभाव अर्थात् क्या पाटित आयातों से भारत में समान उत्पाद की कीमत में भारी कटौती हुई है, की जांच करते समय प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि हालांकि संबद्ध आयातों की पहुँच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम थी तथापि इससे घरेलू उद्योग जांचअवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं की बिक्री पर उच्चतर लाभ प्राप्त करने से वंचित नहीं हुआ था। यह बिक्री प्राप्ति जांच अवधि के लिए प्राधिकारी द्वारा निर्धारित तुलनीय मॉडलों के बारे में घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत से काफी अधिक थी। इस प्रकार संबद्ध आयातों से कीमत हास अथवा उक्त आयातों से याचिकाकर्ता को वास्तविक क्षति होने का प्रश्न नहीं उठता है। जांच अवधि में बिक्री मात्रा में गिरावट आने पर भी घरेलू उद्योग ने सकारात्मक लाभ कमाया तथा अपनी लाभप्रदता में वृद्धि की।

इसलिए घरेलू उद्योग की लाभप्रदता के दृष्टिकोण से घरेलू उद्योग को हुई कथित वास्तविक क्षति और संबद्ध आयातों के बीच कोई कारणात्मक संबंध स्थापित नहीं किया जा सकता। इसलिए प्राधिकारी मानते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण नहीं हुई है।

7. अंतिम जांच परिणाम:-

पूर्वोक्त पर विचार करने के पश्चात प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि :-

- (क) ईयू मूल के अथवा वहां से निर्यातित एक्सबीआईएस का भारत को निर्यात सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है जिसके परिणाम स्वरूप पाटन हुआ है।
- (ख) घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतें प्राधिकारी द्वारा संबद्ध वस्तुओं के लिए निर्धारित क्षतिरहित कीमत से अधिक रही हैं।
- (ग) वर्ष 1999-2000 और 2000-2001 के दौरान बिक्री की अधिक मात्राओं से घरेलू उद्योग को घाटा वहन करना पड़ा; तथापि जांच अवधि के दौरान बिक्री मात्रा में कमी से घरेलू उद्योग ने सकारात्मक आय अर्जित की।
- (घ) इसलिए घरेलू उद्योग द्वारा उठाई गई क्षति और संबद्ध देश से पाटित आयातों के बीच कोई कारणात्मक संबंध स्थापित नहीं किया जा सकता।
- (ङ) इसलिए इस जांच की विषय वस्तु यूरोपीय संघ के मूल की अथवा वहां से निर्यातित होने के कारण सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 के सीमाशुल्क उप-शीर्ष सं. 90.22.19 के अंतर्गत वर्गीकृत एक्स-रे बैगेज इन्सपेक्शन मल्टी एनर्जी सिस्टम्स (एक्स बी आईएस) के आयातों पर अधिसूचना सं0 14/12/2002-डीजीएडी दिनांक 31/3/2003 के जरिए अनंतिम रूप से सिफारिश किये गये पाटनरोधी शुल्क को हटाना आवश्यक समझा गया है।
- 9. उपर्युक्त के मद्देनजर, निर्दिष्ट प्राधिकारी नियम 18, उप नियम (4) के प्रावधानों के रूप में अनंतिम शुल्कों को हटाने की सिफारिश करते हैं। पहले लगाया और वसूल किया गया शुल्क, यदि कोई हो तो, वापिस कर दिया जाएगा।
- 10. उपर्युक्त के अध्यधीन, प्राधिकारी दिनांक 31 मार्च, 2003 के प्रारंभिक जांच परिणामों की पुष्टि करते हैं।
- 11. इस आदेश के विरुद्ध कोई अपील संबंधित अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और रवर्ण (नियंत्रण) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष की जाएगी।

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

NOTIFICATION

New Delhi, the 14th October, 2003

FINAL FINDINGS

Subject: Anti-Dumping investigations concerning imports of 'X-ray Baggage Inspection Multi Energy System' (XBIS) from the European Union....Final Findings

No. 14/12/2002-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 thereof:

A. PROCEDURE

1. The procedure described below has been followed subsequent to the preliminary findings:
 - (a) The Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) notified Preliminary Findings vide notification no. 14/12/2002- DGAD dated 31/3/2003 with regard to anti-dumping investigations concerning imports of X-ray Baggage Inspection Multi Energy System (XBIS) from the European Union and requested the interested parties to make their views known in writing within forty days from the date of its publication;
 - (b) The Authority forwarded a copy of the preliminary findings to the known interested parties, who were requested to furnish their views , if any, on the said findings within forty days from the date of the letter;
 - (c) The Authority provided an opportunity to all interested parties to present their views orally on 1/7/2002 and on 15/9/2003 which was attended by all interested parties._All parties presenting views orally were requested to file written submissions of the views expressed orally at the time of the public hearing. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and offer rejoinders, if any.
 - (d) The Authority made available the public file to all interested parties containing non-confidential version of all evidence submitted and arguments made by various interested parties;
 - (e) The arguments raised by the petitioners and other interested parties have been appropriately dealt with in the preliminary findings and/or these findings;
 - (f) In accordance with Rule 16 supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties and comments received on the same, have been duly considered in these findings;
 - (g) On the basis of sufficient evidence submitted by the Petitioner, the Authority initiated these investigations vide Public Notice dated 15th April 2002 concerning imports of XBIS form the subject territory; Investigations were carried out for the period 1st April, 2001 to 31st December, 2001 (9months).
 - (h) *** in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.

B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION

2. The product under investigation in the present case is 'X-ray Baggage Inspection Multi Energy System' (XBIS). It is used for detection of explosives, firearms, narcotics and contra band at port of importation, security agencies and airports. There is no substitute available to XBIS. The petition is against alleged dumping of two models viz., Heimann Models HS6040i and HS9075i and four ranges of size (tunnel dimension) width x height as given below:-

Width	Height
(a) 600 to 700 mm	400 to 550 mm
(b) 700 to 1000 mm	550 to 850 mm
(c) 1000 to 1200 mm	800 to 1200 mm
(d) 1200 mm and above	1200 mm and above

'X-ray Baggage Inspection Multi Energy System' (XBIS) is classified under Customs sub-heading no. 90.22.19 of the Customs Tariff Act, 1975 and the ITC classification is 90.22.1901. The classification is however indicative only and in no way binding on the scope of the present investigations.

The Authority confirms the preliminary findings on product under consideration.

C. LIKE ARTICLES

3. Rule 2(d) of the anti-dumping rules specifies that "Like Articles" means an Article which is identical or alike in all respects to the product under investigation or in the absence of such an Article, another Article, having characteristics closely resembling those of the articles under examinations.

The petitioner has claimed that technically Indian manufactured products are more superior to the imported products and are adapted for local environment and handling. The comparable models of ECIL – Rapiscan and Heimann which are alleged to be dumped are as follows:

Heimann Model	Comparable ECIL –Rapiscan Model	Size (tunnel dimension) width x height approx.
HS6040 i	ECR520	60cm x 40cm
HS9075 i	ECR526A/B	90cm x 75cm

In the absence of any arguments on like article by any interested party, goods produced by the petitioner are being treated as Like Articles to the goods imported from the subject country within the meaning of the Rules.

For the purpose of initiation, the petitioner had claimed normal value in European Union (Germany) on the basis of M/s Heimann Systems GmbH prices as quoted to the Brazil Government Postal Service in the International Tender of the Brazil Postal Services for the acquisition of X-Ray equipments for model 6040d (which is claimed to be the same model as 6040i with minor modification for the customer by the petitioner) and 9075. As evidence of dumping M/s Heimann's pricing in Brazil as published in The Journal De Brasilia and its English translation were enclosed in the petition. M/s Heimann's pricing in Brazil was accepted by the Authority for *prima facie* determination of normal value for purpose of initiation. As per the request of the AAI, M/s Heimann's pricing in Brazil as published in The Journal De Brasilia and its English translation were treated as 'non-confidential' by the petitioner and placed in the public file.

Confidential submissions were thereafter made by M/s Heimann Systems vide their letter dated 13th July 2002 wherein they have submitted details of the differences in the models supplied to Brazil and to Airports Authority of India. M/s Heimann Systems was requested by the Authority vide letter dated 19th August 2002 to treat the submissions as non-confidential so that they could be placed in the public file for eliciting the views of interested parties. The Authority notes that no response in this regard was received from M/s Heimann Systems.

The Authority however notes that the issue in the present investigations, is that of comparison between the models produced and sold by the petitioner with those exported to India from the EU, as given in the exporter's response. The Like Article is therefore the comparable models manufactured by the petitioner of XBIS 6075i and 9075, which have been sold in the domestic market in EU and imported by Airports Authority of India during the period of investigations. The Authority notes that M/s Heimann in their confidential response to the exporters questionnaire have not furnished details of the technical specifications of the product sold to India i.e., 6040i and 9075. However, no interested party has stated that the models exported to India are not like articles to those manufactured by the domestic industry.

The petitioner has stated that the users normally indicate a range of tunnel sizes in notices inviting tenders so that a number of manufacturers and models could participate and compete for the order. It is also a practice among various producers to give different model numbers or model names even if the tunnel sizes vary marginally. Therefore, all models of XBIS machines should be treated as like articles for the purpose of this investigation.

The Authority notes that for Indian Airports, Bureau of Civil Aviation (BCAS) lays down the standards for security applications. They are derived mainly from ICAO standards followed by member countries. In the tender invited by the AAI during the period of investigations, two models of XBIS were involved i.e., 6040i and 9075. The Authority notes that there is a tender process involved in the purchase of the subject goods and therefore the technical specifications as laid down are required to be complied with by potential suppliers. The technical specifications of the subject goods and the purchase procedure through tender do not indicate ease of product substitutability by users; in this case the major user being the Airports Authority of India. The AAI in its submissions has indicated that with the change in the dimensions of the machine there is difference in detection circuitry and added specifications (such as input motorised conveyor and output chute) and increased tunnel size, software for TIP facility and input and output roller facility contribute to higher cost. The Authority notes therefore that there are technical differences on account of differences in value added features and penetration and resolution differences between various models. The difference in price is on account of differences in built-in value added features depending on the requirement of each system/tunnel range. The difference in the price of 6040 and 9075 models which are the subject matter of the present investigation is USD *** or Rs ***. This difference is not only account of tunnel size but on account of difference in zoom facility (upto 16x for Heimann Systems) and (upto 8x for ECIL). The present investigation is therefore restricted to the two models of XBIS i.e., 6040i and 9075 which were imported during the period of investigations of corresponding tunnel sizes.

In order to establish that XBIS produced by the domestic industry is a Like Article to that exported from EU, characteristics such as technical specifications, manufacturing process, functions and uses and tariff classification have been considered by the Authority. The Authority also finds that there is no argument disputing that XBIS produced by the domestic industry has characteristics closely resembling the imported material and is substitutable by

XBIS imported from the subject territory both commercially and technically. XBIS produced by the domestic industry has been treated as Like Article to the product exported from EU within the meaning of Rule 2(d).

In view of the above, the Authority confirms the preliminary findings on Like Articles.

D. Domestic Industry

4. The petition has been filed by M/s ECIL –Rapiscan Limited, Secunderabad, which is a joint venture between Electronic Corporation of India Ltd. (ECIL) Hyderabad, a Government of India Public Sector Undertaking and Opto Sensor Inc. (Rapiscan) USA., M/s Opto Sensors Inc. (OSI), California, USA and Electronics Corporation of India Ltd. (ECIL) entered into a joint venture agreement to inter alia organise a limited liability joint stock corporation under the laws of India to manufacture, assemble, test, market, sell and service single and multi- energy X-ray Baggage Inspection Systems, explosive detectors, walk through metal detectors and related security products. The general business purposes of the company ECIL –Rapiscan Limited as given in Article 2 of the joint venture agreement is to : (i) arrange for the manufacture, assembly and testing of the products (as defined above) in India, (ii) market and sell the product throughout the Territory (iii) service the products sold throughout the Territory, and (iv) engage in such other activities as may be incidental or necessary to the foregoing.

The petition has been filed by ECIL Rapiscan Ltd. (ECR). Under the joint venture agreement, ECR is required to provide ECIL with the components necessary for ECIL to manufacture the products. ECR is required to test, market, sell and service the product. Therefore, the petitioner gets the machines manufactured from ECIL and the entire production of XBIS by ECIL is for and on behalf of ECR. ECIL is the only manufacturer of the subject goods in India and has supported the present petition.

Rule 2 of the Anti - Dumping Rules defines domestic industry as follows:-

"domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in which case such producers may be deemed not to form part of domestic industry."

As stated above, ECR is required to arrange for the manufacture of the subject goods by providing ECIL with the components necessary for ECIL to manufacture the products. ECR is required to test, market, sell and service the product. The entire production of XBIS by ECIL is for and on behalf of ECR. The Authority also notes that M/s ECIL Rapiscan/M/s ECIL are not related to the exporters or importers of the alleged dumped article and are themselves not importers thereof.

The Authority notes therefore that the petitioner constitutes "domestic industry" and has the required standing to file the present petition under the Rules.

E. DUMPING:-

Exporters and Producers of the Subject Goods in the Countries of Origin:-

5. The Authority sent questionnaires to the known exporter from the subject territory in terms of section 9 A (1). M/s Heimann Systems furnished a response to the exporters questionnaire.

(A) Normal Value:-**M/s Heimann Systems, Germany**

The exporter has stated that the data for sales in the home market is provided for Germany and for all other sales in the EU. This distinction is critical because sales in Germany are for machines that have different characteristics and value-added items and services to the machines sold elsewhere in the EU.

Grade 6040 - The Authority notes that the selling price in Germany is E *** and the selling price in Europe is E ***. No discounts/commissions have been paid. The Authority has considered the selling price to EU as Germany is a part of the customs union of EU.

The manufactured price is stated to be E *** and the selling price E ***. The charges after ex-factory are on account of packing E ***; and inland freight E ***. Overseas freight and insurance are included in freight. No break-up has been provided on these accounts. After considering the adjustments on the aforesaid the net selling price comes to E ***.

The price variations after manufacture are (i) 2 year service support which includes all parts, labour and help line which is ***% of contract at E ***; (ii) 2 year warranty at ***% E ***; (iii) 6 week delivery (cost to stock and material holding) @ ***%- E ***; (iv) 24 emergency repair contract calculated at ***% of contract - E ***; adjustment on account of variation in specification E ***. The total adjustment cost on account of price variation is E ***.

The ex-factory normal value level is therefore considered to be E ***.

The Authority notes that details of the contract on the basis of which these adjustments have been claimed have not been made available. Details/information on the variation in specification are also not available.

Grade 9075- The Authority notes that the selling price in Germany is E *** and the selling price in Europe is E ***. No discounts/commissions have been paid. The Authority has considered the selling price to EU as Germany is a part of the customs union of EU.

The manufactured price is stated to be E *** and the selling price E ***. The charges after ex-factory are on account of packing E ***; and inland freight E ***. Overseas freight and insurance are included in freight. No break-up has been provided on these accounts. After considering the adjustments on the aforesaid the net selling price comes to E ***.

The price variations after manufacture are (i) 2 year service support which includes all parts, labour and help line which is ***% of contract at E ***; (ii) 2 year warranty at ***% E ***; (iii) 6 week delivery (cost to stock and material holding) at ***%- E ***; (iv) 24 emergency repair contract calculated at ***% of contract - E ***; adjustment on account of variation in specification E ***. The total adjustment cost on account of price variation is E ***.

The ex-factory normal value is therefore considered to be E ***.

The Authority notes that details of the contract on the basis of which these adjustments have been claimed have not been made available. Details/information on the variation in specification are also not available.

(B) Export Price:-

a) Grade 6040- The exporter has sold 42 units to AAI and 3 units to GE Capital of Grade 6040. The factory cost of exports as stated in Appendix 8 is USD *** or E ***. The tract price to AAI is E ***. After ***% sales commission (E ***) the sales price comes to E ***. The selling price to GE is E ***. After ***% sales commission (E ***) the sales price comes to E ***. The average price of AAI and GE before commission is E *** and after commission is E ***.

Grade 6040 AAI- The manufactured price is stated to be E *** and the selling price E ***. The ex-factory cost is E ***.

Grade 6040 GE- The manufactured price is stated to be E *** and the selling price E ***. The ex-factory cost is E ***.

As the adjustments on account of overseas freight and for 2 year warranty vary for sales of this model to AAI and GE, the Authority has considered the weighted average ex-factory price for 6040 which is E ***.

(b) Grade 9075 - 16 units of this grade have been sold to AAI. Price adjustments for this grade have been given in Appendix 4. The factory cost of exports as per Appendix 8 has not been given. The export price for 9075 is stated to be E ***. After sales commission of ***% the selling price comes to E ***. The adjustments include packing cost at E ***, inland freight at E *** before fob and overseas freight at E ***. The total cost on account of the above comes to E ***.

The adjustments for fair comparison include (i) 2 year warranty at ***% or E ***; (ii) specification variation - E ***; (iii) others - E ***.

The exporter has not elaborated on the costs which have been included under 'others'. After considering the above costs including 'others', the ex-factory export price comes to E *** for Grade 9075.

© Dumping Margin:-

Examination by the Authority:-

The Authority has followed the consistent policy of adopting the principles governing the determination of Normal Value, Export Price and Margin of Dumping as laid down in Annexure I of the anti-dumping rules. Based on the normal values and export prices as indicated above, the Authority assessed the dumping margins in case of M/s Heimann Systems as given in the table below:-

Grade	Ex-factory Normal Value	Ex-factory Export Price	DM (E)	DM (USD)	DM (%)
6040	E ***	E ***	***	***	10.34%
9075	E ***	E ***	***	***	32.15%

F. INJURY:-

Authority's Position:-

The Authority has taken into account all indices regarding injury while doing the final determination. This involves all relevant principles for determination of injury as specified under Annexure II of the anti-dumping rules viz., the volume of dumped imports, their effect on price in the domestic market and its effect on the production, capacity utilisation, sales, profits, market share etc. of domestic industry. While determining the non-injurious price for the like article for the domestic industry, the Authority has made appropriate analysis of all the relevant

factors such as usage of raw material, usage of utilities, etc., and the actual expenses during the period of investigation including factors such as investments and capacity utilisation. The Non-injurious price for the domestic industry has been determined considering a reasonable return on the capital employed by the petitioner. For calculation of injury margin, the ex-factory non-injurious price of the domestic industry has been compared with the landed value of the imported goods.

The quantum of imports, production, capacity and capacity utilisation, sales and market share, closing stocks, landed values of the subject goods from the subject countries and selling prices of the petitioner were as given below:-

(a) Quantum of Imports

Quantity (nos.)

Countries	1999-2000		2000-01		POI	
	Qty	Value	Qty	Value	Qty	Value
Total imports	38	***	26	***	106	***
EU	31	***	13	***	55 Heimann Systems- 61	***
Others	7	***	13	***	51	***

For the purpose of analysing the volume of imports the import data published by DGCIS was considered for the years 1999-2000, 2000-01 and the POI. As per DGCI&S data the imports of the subject goods from the EU was 55 units. As per submissions of M/s Heimann Systems 61 units were exported to India during the POI.

(b) Production and Capacity Utilisation

The production capacity, actual production and capacity utilisation of the petitioners was as shown in the table below : -

Petitioners	1999-2000	2000-01	POI
Installed Capacity (no. of units)	100	100	100
Production (no. of units)	18	56	18
Capacity Utilisation %	18%	56%	18%

The production of the subject goods by ECIL corroborates with the sales quantity of ECIL to ECR.

3028GZ/03 — 4

(c) Sales and Market Share

	1999-2000	2000-01	POI
Sales (no. of units) of petitioner	63 (from ECIL to ECR - 18)	58 (from ECIL to ECR - 56)	25 (from ECIL to ECR - 18)
Demand	101	84	131
Share of dumped imports %			46.56%
Share of petitioner %			19.08 %

Apart from the sales units from ECIL to ECR, the rest of the sales quantity by ECR were from imports effected by ECR of the subject goods.

(d) Price undercutting and price depression

Rs/lacs

	Sales realisation of domestic industry for comparable models	Landed Price of Imports EU	Price undercutting	
			Amount	%
ECR 520	***	6040	***	*** 41.34%
ECR 526	***	9075	***	*** 39.27%

It is seen that while the landed price of the subject imports are lower than the selling prices of the domestic industry, this has not prevented the domestic industry from earning a higher realisation on the sales of the subject models during the POI at a profit. It is also noted that the sales realisation is much higher than the non-injurious price of the domestic industry for the subject goods determined by the Authority for the POI. Hence the question of price suppression does not arise.

(e) Profitability:-

The domestic industry had made a loss of Rs *** lacs (7%) on a turnover of Rs *** lacs during 2000-01. It earned a profit of Rs *** lacs (2.6%) on a turnover of Rs *** lacs during the POI. Thus, the profitability changed from minus 7% to plus 2.6%.

ECIL/ECIL - Rapiscan	1999-2000		2000-01		POI		Rs (lacs)
	ECR 520 (6040)	ECR 526A (9075)	ECR 520 (6040)	ECR 526A (9075)	ECR 520 (6040)	ECR 526A (9075)	
COP/COS			***	***	***	***	
Selling Price (ECIL-RAPIS CAN)			***	***	***	***	
P/L			***	***	***	***	

The selling price of the subject models by ECIL Rapiscan increased during the POI as compared to the previous year. The profit of the domestic industry also increased during the POI for the subject goods as compared to the previous year. The Authority notes that this selling price is higher than the non injurious price determined for the subject goods during the POI.

However, the Authority notes that when the domestic industry had more sales volumes during 1999-2000 and 2000-2001, it had incurred losses. However, when its sales volumes declined during the POI, it earned positive returns. This increase in profitability was in the face of price undercutting of the subject models. Therefore, from the domestic industry's profitability point of view, no causal link can be established between the material injury alleged to have been suffered and the imports from the subject territory which is the subject matter of this investigations.

f. Actual and potential decline in sales

As stated earlier, the domestic sales volume came down from 58 units in 2000-01 to 25 units during POI. Thus, while there was a decline in sales volumes, no correlation can be established between decline in sales quantity of the domestic industry and actual import volumes.

g. Output

The output of the domestic industry was 56 units during 2000-01. It came down to 18 units during POI. Since the import volumes from other sources increased significantly from 7 units in 1999-2000 to 51 units in the POI, the domestic industry was forced to concede market share on this account.

h. Return on investments or utilisation of capacity

With the existing manpower and other resources at its command, the domestic industry could produce upto 100 units in a year. They have produced only 18 units during POI. The Authority notes that the demand for the subject goods is dependent on major buyers such as the AAI and others. The capacity utilisation of the domestic industry would, therefore, vary with the number of orders it is able to procure. As the product under consideration is highly technical in nature, price is not the only determining factor for placement of orders. In the present investigation, the loss of order by the domestic industry could not be attributed only to the price of imported XBIS.

i. Factors affecting domestic prices

The market for XBIS Systems in the world is highly competitive. Globally, there are only two competitive products - one is from Rapiscan and the other from M/s Heimann. There are no other factors that affect domestic prices to a significant extent.

j. Magnitude of the margin of dumping

The dumping margins are 10.34% for one model and 32.15% for another model as per the response of the cooperating exporter.

k. Cash Flow

The sales revenue of the domestic industry in the year 2000-01 was Rs. 15.17 crores. It came down to Rs. 6.45 crores during POI due to decline in sales volume.

l. Inventories

Petitioner	1999-2000	2000-01	POI
Closing stock	6	4	1

m. Employment

There is no reduction in the manpower employed by the domestic industry.

n. Wages

Being units in the public sector and joint sector, wages are not dependent on the volume of business or profits. Therefore, it is not relevant for the determination of injury.

o. Ability to raise investments

This is not a very capital intensive industry. What is required is substantial working capital and not fixed capital. Therefore, this parameter is not relevant for this industry.

G. CONCLUSION ON INJURY

The Authority has carefully examined the parameters leading to injury determination for the purpose of these Final Findings. As regards the total quantum of imports, the data in the Preliminary Findings showed nil imports from all other sources. As per DGCI&S data the total quantum of imports from all other sources other than the subject territory was 51 units thereby bringing the total imports from all sources to 106 units as compared with 61 units only at the time of Preliminary Findings. This shows that the import volumes from other sources increased significantly from 7 units in 1999-2000 to 13 units in 2000-2001 (period prior to POI) to 51 units in POI forcing the domestic industry to concede market share to imports from other sources not alleged to be dumping. The Authority while finalising the non injurious price of the domestic industry has come to the conclusion that the domestic industry has not suffered price suppression and has actually increased its profitability. The additional information made available to the Authority by interested parties during the course of investigations after notification of Preliminary Findings brought out facts which were considered by the Designated Authority leading to different conclusions.

The Authority observes that:-

Annexure II (ii) of the Anti-dumping Rules states that “With regard to the effect of the dumped imports on prices as referred to sub-rule (2) of rule 18 the designated authority shall consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase which otherwise would have occurred to a significant degree.”

The landed prices as per DGCIS data from EU were Rs *** Lacs for 6040 and Rs *** lacs for 9075 whereas the selling price of domestic industry (net of excise duty) was Rs. *** lacs and Rs. *** lacs for comparable models. The Authority notes that while the landed price of the subject imports were lower than the selling prices of the domestic industry, this did not prevent the domestic industry from earning a higher realisation on the sales of the subject models during the POI at a profit. It is also noted that the sales realisation was much higher than the non injurious price of the domestic industry for comparable models determined by the Authority for the POI. Hence the question of price suppression from the subject imports does not arise and does not establish injury to the petitioner from the dumped imports.

The Authority notes that when the domestic industry had more sales volumes during 1999-2000 and 2000-2001, it has incurred losses. However, when its sales volumes declined during the POI, it earned positive return. This increase in profitability was in the face of price undercutting of the subject model. Therefore, from the domestic industry's profitability point of view, no causal link can be established between the material injury alleged to have been suffered and the subject imports.

The closing stocks of domestic industry were lowest at 1 unit in the POI as compared to 4 units in the previous year and 6 units in 1999-2000.

The domestic industry's profitability improved from minus 7% to plus 2.6%. The selling price of the subject models and the profit of the domestic industry increased during the POI as compared to the previous year. The Authority notes that this selling price was higher than the non injurious price determined for the subject goods during the POI.

The domestic industry's capacity utilisation during the POI indicates that major buyers did not place orders on the domestic industry for the subject goods. As noted in para 17 of the Preliminary Findings the petitioner did not qualify in the technical evaluation or meet all the NIT requirements issued by the AAI for supply of 220 colours XBIS.

H. CAUSAL LINK

6. The Authority notes that the domestic industry has shown improvement in respect of profitability which is a vital parameter having a bearing on the state of the industry. The market share of the domestic industry is dependent on major buyers and the domestic industry is required to satisfy technical parameters as specified in various tenders. Import volumes from other sources increased significantly from 7 units in 1999-2000 to 51 units in the POI and the domestic industry was forced to concede market share on this account. Hence the dumped imports from the subject territory had no volume effect on the domestic industry. In examining the price effect, that is, whether the dumped imports have significantly undercut the price of the like product in India, the Authority notes that while the landed price of the subject imports were lower than the selling prices of the domestic industry, this did not prevent the domestic industry from earning a higher realisation on the sales of the subject models during the POI at a profit. This sales realisation was much higher than the non injurious price of the domestic industry for comparable models determined by the Authority for the POI. Hence the question of price suppression from the subject imports or of material injury to the petitioner from the said imports does not arise. The domestic industry earned positive returns and increased its profitability when its sales volumes declined in the POI. Therefore from the domestic industry's profitability point of view, no causal link can be established between the material injury alleged to have been suffered and the subject imports. The Authority therefore holds that the material injury to the domestic industry has not been caused by the dumped imports from the subject territory.

7. FINAL FINDINGS:-

The Authority after considering the foregoing, concludes that:

- (a) XBIS originating in or exported from EU have been exported to India below normal value, resulting in dumping;
- (b) the domestic industry's selling prices have been higher than the non injurious price determined by the Authority for the subject goods;
- (c) with higher sales volumes during 1999-2000 and 2000-2001 the domestic industry had incurred losses; however, with a decline in sales volume during the POI the domestic industry earned positive returns;
- (d) hence no causal link could be established between the injury suffered by the domestic industry and the dumped imports from the subject territory.

8. It is therefore considered necessary to withdraw the anti-dumping duties recommended provisionally, vide notification No. 14/12/2002-DGAD dated 31/3/2003 on imports of X-ray Baggage Inspection Multi Energy Systems (XBIS) classified under customs sub-heading No. 90.22.19 of the Customs Tariff Act, 1975 being the subject matter of this investigation, originating in or exported from European Union.

9. In view of the above, the Designated Authority recommends withdrawal of the provisional duties in terms of the provisions of Rule 18, sub-rule (4). The provisional duty already imposed and collected, if any, shall be refunded.

10. Subject to the above, the Authority confirms the preliminary findings dated 31st March, 2003.

11. An appeal against this order shall lie before the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal in accordance with the Act, supra.

L.V. SAPTHARISHI, Designated Authority